दिनाँक: 01.02.2026

प्रेस विज्ञप्ति

एरोमा फेडरेशन ऑफ इण्डिया, मर्चेन्ट्स चैम्बर ऑफ उ०प्र० कानपुर तथा एफएफडीसी कन्नौज द्वारा उत्तर प्रदेश में एरोमा, अगरबत्ती व कास्मेटिक्स की संभावनाओं व निर्यात पर संगोष्ठी का आयोजन

आज दिनांक 01.02.2026 को मर्चेन्ट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, कानपुर, एरोमा फेडरेशन ऑफ इण्डिया तथा सुगन्ध एवं सुरस विकास केन्द्र (एफएफडीसी) मुख्यालय, कन्नौज के संयुक्त तत्वाधान में एरोमा, अगरबत्ती व कास्मेटिक्स में उ.प्र. में इनके संभावनाओं एवं निर्यात पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन मर्चेन्ट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, सिविल लाइन्स, कानपुर में आयोजित की गयी। इस कार्यक्रम में एसेन्सियल एसोशिएशन ऑफ इण्डिया, नोएडा, फैगरेन्सेस् एण्ड फ्लेवर एसोसिएशन ऑफ इण्डिया, मुम्बई एवं सुगन्ध व्यापार संघ, दिल्ली सहयोगी सस्थान के रूप में उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र के समापन में श्री शैलेन्द्र जैन, पूर्व अध्यक्ष, एसेन्सियल ऑयल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया तथा संरक्षक, एरोमा फेडरेशन ऑफ इण्डिया एवं कार्यक्रम के संयोजक श्री आमोद प्रताप सिंह सेंगर, सहायक निदेशक द्वारा संगोष्ठी में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इसके पश्चात् निदेशक, एफएफडीसी मुख्यालय कन्नौज श्री शक्ति विनय शुक्ल ने अपने भाषण के माध्यम से कार्यक्रम में उपस्थिति सनी उद्यमियों को उत्तर प्रदेश के एरोमा, अगखत्ती एवं कॉस्मेटिक उद्योग की संभावनाओं पर आयोजित संगोष्ठी के उद्देशय के बारे में जानकारी प्रदान करायी। तकनीकी सत्र के दौरान उन्होंने एफएफडीसी कन्नौज द्वारा एरोमा, अगरबत्ती तथा कॉस्मेटिक उद्योग हेतु किये गये कार्यों तथा केन्द्र की उपलब्धियों पर प्रस्तुति दी और केन्द्र की भविष्य की कार्ययोजना के बारे में उद्यमियों को अवगत कराया तथा यह भी बताया कि यह केन्द्र एरोमा उद्योग से जुड़ी सभी तरह की तकनीकी सेवाएं जैसे प्रशिक्षण, परीक्षण, प्रसंस्करण, सुगन्ध एवं सुरस निर्माण, आसवन तथा परामर्श सुविधा आदि उपलब्ध कराता है।

तत्पश्चात् श्री योगेश दुबे, अध्यक्ष, एरोमा फेडरेशन ऑफ इण्डिया तथा फ्रैगरेन्सेस् एण्ड फ्लेवरस् एसोसिएशन ऑफ इण्डिया मुम्बई एवं तत्काल निवर्तमान अध्यक्ष एसेन्सयल ऑयल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया नोएडा द्वारा वैश्विक एरोमा उद्योग में व्यापत अपार संभावनाओं पर चर्चा करते हुए. इसके उ०प्र० के निर्यात के माध्यम से बढ़ावा देने हेतु जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि एरोमा फेडरेशन ऑफ इण्डिया, छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के साथ मिलकर वहाँ पर एक अथवा दो दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन करेगी, जो कि युवाओं के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगी।

श्री तरूण गर्ग, अध्यक्ष, निर्यात समिति, मर्चेन्ट्स चैम्बर उ०प्र० ने अपने भाषण के माध्यम से कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को मर्चेन्ट्स चैम्बर उत्तर प्रदेश द्वारा इत्र उद्योग हेतु किये जा रहे कार्यों तथा उनके द्वारा प्रदान करायी जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया। उन्होंने अपने तकनीकी भाषण के दौरान उत्तर प्रदेश से एरोमा, अगरबत्ती एवं कास्मेटिक उत्पाद के निर्यात संभावनाओं के बारे में बताया तथा उद्यमियों को उ०प्र० से इन उत्पादों को निर्यात करने हेतु प्रोत्साहित किया।

डॉ० रोहित सेठ, अध्यक्ष, सुगन्ध व्यापार संघ, दिल्ली ने उद्घाटन सत्र के दौरान अपने भाषण के माध्यम से बताया कि सुगन्ध व्यापार संघ, एफएफडीसी कन्नौज तथा सीएसआईआर-आईआईटीआर लखनऊ के साथ मिलकर रेगुलराइजेशन तथा स्टैण्डडाइजेशन पर कार्य कर रहे हैं, जिससे अगरबत्ती उद्योग में रेगुलराइजेशन तथा स्टैण्डडाइजेशन से सम्बन्धित कठिनाईयों को जल्द ही दूर किया जा सकेगा।

इसके पश्चात् कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर विनय पाठक ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के कायक्रमों के माध्यम से ही एरोमा तथा अगरबत्ती उद्योग का विकास सम्भव है जहाँ एक विशेष उद्योग से जुड़े उद्यमी अपनी समस्याओं, सुझावों, ज्ञान तथा अनुभव को साझा कर एक दूसरे का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार का दुनिया की मार्केटिंग में 3 प्रतिशत है जो बहुत कम है हम दुनिया में बहुत पीछे है। हमें लगता है कानपुर और देश के लोगों को सुगंध और सुरस में व्यवसाय के बहुत अवसर है। जापान में लोग तकनीकी के मामले में बहुत सीनियर है। चाइना में आर्मी उनको प्रोत्साहन देती है जो युवा नवाचार के लिए कार्य करती है। उन्होंने बताया कि हमारे उद्योगों को हमेषा नवाचार करते रहना चाहिए तथा स्टार्टअप के लिए इंडस्ट्री के लोगों को आगे आना

चाहिए। आज जो भी आज है वो समाज से ही संभव है। समाज के लोगों को आगे आकर युवाओं को इंडस्ट्रिल्ट बनाया जा सकता है। अपनी इनकम का कुछ पैसा नवाचार और शोध के लिए लगाना चाहिए हमें अपनी अगली पीढ़ी के लिए भी कार्य करना चाहिए। आज के समय नए पेटेंट और यूनिकॉर्न टाइप 2 और 3 शहर से भी लोग आ रहे है। उन्होंने इस सन्दर्भ में छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर व एफएफडीसी कन्नौज द्वारा संचालित किये जा रहे सुगन्ध एवं सुरस में विशेषज्ञता वाले एम.एससी (रसायन) पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी प्रदान की तथा बताया कि इसी प्रकार के अन्य पाठ्यक्रम एफएफडीसी मुख्यालय कन्नौज के साथ प्रस्तावित हैं, जो कि आने वाले समय में सुगन्ध एवं सुरस उद्योग में रूचि रखने वाले तथा इस क्षेत्र में कैरियर बनाने वाले छात्रों के लिए काफी अहम भूमिका निभायेंगे।

पवन त्रिवेदी अध्यक्ष, अतर्स एवं परफ्यूमर्स एसोसिएशन कन्नौज द्वारा कन्नौज के इत्र एवं अगरबत्ती उद्योग के परिदृश्य पर प्रकाश डाला तथा एफएफडीसी कन्नौज से एरोमा उद्योम में नये तरह की सुगन्ध एवं सुरस का निर्माण करने हेतु आग्रह किया, जो कि वैश्विक स्तर पर कन्नौज के इत्र उद्योग को पहचान दिलाने का कार्य करे।

श्री शैलेन्द्र जैन, पूर्व अध्यक्ष, एसेन्सियल ऑयल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया तथा संरक्षक, एरोमा फेडरेशन ऑफ इण्डिया ने बताया कि एरोमा फेडरेशन ऑफ इण्डिया किसानों की आय बढ़ाने हेतु उन्हें बाजार खोजने तथा उद्योगों के साथ बेहतर सम्पर्क स्थापित करने में सहयोग प्रदान करने हेतु प्रयास करेगी।

श्री नरेन्द्र शर्मा, कार्यकारी निदेशक, तिरंगा अगखत्ती, कानपुर द्वारा उत्तर प्रदेश में अगरबत्ती उद्योग की स्थिति के बारे में बताते हुए कहा कि अगरबत्ती उद्योग में उद्यमियों के लिए अपार संभावनाएँ मौजूद हैं तथा उ०प्र० के उद्यमियों को इन संभावनाओं की तलाश कर इनसे लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने उद्यमियों को अगरबत्ती उद्योग से जुड़े उद्यमियों को तकनीकी सहायता हेतु आश्वस्त किया।

श्री वी०के० वर्मा, निदेशक, एमएसएमई विकास कार्यालय, कानपुर ने सरकार द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों हेतु चलायी जा रही योजनाओं के बारे में बताया तथा इससे लाभान्वित होने की सम्पूर्ण प्रक्रिया को विस्तृत रूप में बताया।

डॉ० इन्द्रेश कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर ने एरोमा क्षेत्र के विकास हेतु कानपुर विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्वविद्यालय, एफएफडीसी कन्नौज के साथ इस क्षेत्र में कार्यरत है तथा युवा विद्यार्थियों हेतु एरोमा उद्योग से सम्बन्धित कुछ नये पाठ्यक्रम जल्द ही प्रस्तुत किये जायेंगे।

डॉ० सीताराम दीक्षित, सलाहकार, सुगन्ध एवं सुरस, मुम्बई ने कॉस्मेटिक उद्योग के मार्केट के बारे में विस्तार से बताते हुए इसमें व्यापत अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विश्वसारीय कॉस्मेटिक उत्पाद बनाने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय मानको यो अनुरूप गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्राण्डिंग को ध्यान में रखना चाहिए।

प्रोफेसर जे. राम कुमार, आईआईटी कानपुर ने तकनीकी सत्र के दौरान एरोमा उद्योग के उन्नयन तथा एरोमा प्रोडक्शन हेतु आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस तथा ड्रोन के उपयोग के बारे में जानकारी प्रदान की तथा इसकी महत्ता तथा उद्यमियों को इनसे होने वाले लाभों के बारे में बताया।

संगोष्ठी के दौरान युवा उद्यमियों को कैसे कॉस्मेटिक इण्डस्ट्री लगायी जाये इस विषय पर श्री अंकुर मिश्रा ने मार्गदर्शन किया तथा क्रमशः इसके पूरे रोडमैप पर चर्चा की।

कार्यक्रम के समापन में श्री अतुल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष, एरोमा फेडरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा संगोष्ठी में उपस्थित सभी अतिथियों, वक्ताओं तथा उद्यमियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ० नदीम अकबर, उप निदेशक, श्री आमोद प्रताप सिंह, सहायक निदेशक, श्री गेदाम विलास, सहायक निदेशक, श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, यरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, श्री कमलेश कुमार, वैज्ञानिक अधिकारी तथा श्री रिचिक शुक्ल का विशेष योगदान रहा।